अध्यक्ष द्वारा प्रारम्भिक सम्बोधन

माननीय सदस्यगण,

भारत का संविधान के अधीन गठित १४वीं बिहार विधान सभा के सप्तम् सत्रारम्भ के अवसर पर मैं आप सबों का हार्दिक स्वागत करता हूँ ।

वर्ष के अवसान एवं नूतन वर्ष के शुभागमन के इस शीतकालीन सत्र के अवसर पर इस सभावेश्म में हम प्रदेश की प्रगति की नवीन सृजनात्मक चिंतन की ओर गतिशील हों, यही हमारा ध्येय होना चाहिए ।

देश के महान संसदीय लोकतंत्र के समक्ष गंभीर चुनौती उपस्थित है। इस हेतु हमें अपने दायित्व के निर्वहन के साथ-साथ जनता के विश्वास के प्रति दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ संकल्पित होना होगा । संसदीय लोकतंत्र की गरिमा को अक्षुण्ण रखना हमारा प्रथम कर्त्तव्य है ।

अतएव मेरा आप सबों से आग्रह है कि सौहार्दपूर्ण वातावरण कायम कर सभा के कार्य संचालन में आप अपना पूर्ण सहयोग हमें प्रदान करने की कृपा करेंगे ।